राजस्थान में नवोदय विद्यालय

***243. श्री मूलचन्द मीणा : †**

श्री मोहिन्दर सिंह कल्याण :

क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान के कितने जिलों में नवोदय विद्यालय खोले गए हैं, उनका जिला-वार ब्यौरा क्या है,

(ख) नवोदय विद्यालयों के लिए कितने भवनों का निर्माण किया गया है, यदि नहीं, तो इन भवनों का निर्माण न किये जाने के क्या कारण हैं, और

(ग) कितने नवोदय विद्यालयों में शिक्षण-कार्य आरंभ हो चुका है और कितने नवोदय विद्यालयों में शिक्षण-कार्य अभी तक आरंभ नहीं हुआ है तथा इसके क्या कारण हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा और संस्कृति विभाग) में उप मंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) से (ग) एक विवरण सभापटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

राजस्थान में 24 नवोदय विद्यालय संस्वीकृत किए गए हैं जिनमें से 20 इस समय कार्य कर रहे हैं तथा इन विद्यालयों में शिक्षण कार्य चल रहा है । विद्यालयों की जिला-वार सूची संलग्न है । (नीचे देखिए) विद्यालयों के लिए स्थाई भवनों के निर्माण का कार्य नवोदय विद्यालय समिति द्वारा समय-समय पर शुरू किया जाता है जो राज्य सरकारों/संघशासित प्रदेश के प्रशासनों द्वारा उपयुक्त भूमि के आबंटन, विस्तृत योजनाओं और प्राक्कलनों की तैयारी तथा मंजूरी और निधियों की उपलब्धता पर निर्भर होता है । पूर्णतया आवासीय होने के कारण नवोदय विद्यालयों में निर्माण का आकार विशाल होता है । इसलिए किसी भी स्कूल के निर्माण कार्य को तीन चरणों में पूरा किया जाता है । 2 विद्यालयों में निर्माण का प्रथम चरण पूरा कर लिया गया है तथा 16 नवोदय विद्यालयों में द्वितीय चरण पूरा कर लिया गया है ।

राजस्थान के बीकानेर, सिरोही, सवाई माधोपुर और दौसा नामक जिलों के लिए संस्वीकृत 4 नवोदय विद्यालयों ने अभी तक कार्य करना प्रारंभ नहीं किया है क्योंकि राजस्थान में नवोदय विद्यालयों के लिए राज्य सरकार द्वारा भूमि हेतु भुगतान की मांग की गई है जबकि नवोदय विद्यालय की योजना के अंतर्गत संबंधित राज्य सरकार को निःशुल्क भूमि प्रदान करनी होती है । इस समस्या का शीघ्र हल ढूंढने के लिए इसे राजस्थान सरकार के साथ उठाया गया है ।

10-8-93 तक राजस्थान में खोले गए/संस्वीकृत नवोदय विद्यालयों की सूची

क्र० सं०	जिले का नाम	स्थान
1.	नागौर	कुचमन सिटी
2.	चुरू	सरदार शहर
3.	बांसवाड़ा	बुदवा
4.	जयपुर	पयोटा
5.	राजसमंद	राजसमंद
6.	भीलवाड़ा	हुर्डा
7.	चित्तौड़गढ़	मंडफिया
8.	जालौर	जसवंतपुरा
9.	सीकर	पटान
10	बारन	अट
11.	डूंगरपुर	ठकराडा
12.	बाड़मेर	पाथपाद नगर
13.	अजमेर	नालंदा
14.	जैसलमेर	मोहनगढ़
15.	श्री गंगानगर	महियानवाली
16.	जोधपुर	तिलासवाणी (भावी)
17.	टोंक	चाण
18.	झालावाड़	पाच पहाड़ बी० मंडी
19.	अलवर	खैरताल
20.	पाली	जोजावर
*21.	बीकानेर	गजनेर
*22.	सिरोही	कलान्द्री
*23.	सवाई माधोपुर	जटकोशाड़
*24.	दौसा	खेरली

*संस्वीकृति प्रदान की गई है किन्तु अभी खोले नहीं गये हैं ।

† सभा में यह प्रश्न श्री मूलचन्द मीणा द्वारा पूछा गया ।

श्री मूलचन्द मीणा : सभापति जी, मंत्री जी के जवाब में राजस्थान के 24 जिलों के अंदर नवोदय विद्यालय खोले गए, लेकिन कार्यरूप में 20 जिलों के अंदर नवोदय विद्यालय हैं । मंत्री जी के जवाब में यह बताया गया है कि भवन और भूमि के लिए, भवन निर्माण के लिए राज्य सरकार भूमि उपलब्ध कराती है और नवोदय विद्यालय की जो समिति है, वह समय-समय पर भवन निर्माण के लिए कार्य शुरू करने की प्रक्रिया चालू करती है । मैं मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि दो साल के अंदर आपकी नवोदय विद्यालय समिति द्वारा क्या-क्या कार्रवाई की गई जिससे कि इन चार जिलों में दो साल से स्कूल प्रारम्भ नहीं हुए ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : आदरणीय सभापति जी, मुझे स्वयं इस बात का खेद है कि यहां चार जिलों में नवोदय विद्यालय प्रारम्भ करने की प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकी । यह एक अप्रिय बात है कि जब सारे देश में नवोदय विद्यालय खोलने के लिए राज्य सरकार निःशुल्क भूमि देती है, तो मैं स्वयं नहीं समझ पा रहा हूं कि किन कारणों से राजस्थान सरकार निःशुल्क भूमि देने में दिक्कत महसूस कर रही है । इतना ही नहीं, एक डिमांड रेज़ कर दिया गया है स्कूलों के ऊपर और वहां पर एक स्कूल की तो कुर्की के आदेश दे दिए गए हैं । इसलिए, सभापति महोदय, मैं बहुत दुख के साथ इस बात को कह रहा हूं, मैंने भी पत्र लिखा, कार्यालय की ओर से भी नवोदय डायरेक्टर ने लिखा, सचिव ने लिखा, अब मुझे उम्मीद है कि सारे भारत में जिस आधार पर कार्रवाई हो रही है, यहां भी

उसी प्रकार की कार्रवाई होने लगेगी और ये चारों विद्यालय भी शीघ्र प्रारम्भ कर दिए जाएंगे ।

श्री मूलचन्द मीणा : सभापति जी, मूल प्रश्न के उत्तर में मंत्री जी ने बताया कि भवन निर्माण का कार्य हम तीन चरणों में करते हैं और 16 नवोदय विद्यालयोंके दो चरण पूरे हो गए हैं । मैं यह पूछना चाहता हूं कि मंत्री जी आप प्रत्येक चरण में कितना-कितना पैसा खर्च करते हैं ? और जैसा कि बताया है कि दो विद्यालयों का प्रथम चरण पूरा हुआ है तो वह कौन-कौन से विद्यालय हैं ? और उनके प्रथम चरण में कितना-कितना पैसा खर्च हुआ है ? तो जो पैसा खर्च होता है उसका मूल्यांकन किस-किस चरण में या कार्य पूरा होने पर करते हैं, यह मुझे बताने की कृपा करें ?

श्री अर्जुन सिंह : सभापति महोदय, तीन चरण होते हैं । मल्टी परपज और डायनिंग फेसिलिटी और टॉयलेट— पहला चरण है । इसको जीरो फेस कहते हैं । पार्ट आफ स्कूल बिल्डिंग डोरमेटी और कुछ आवासीय व्यवस्था, दूसरा चरण होता है । स्कूल बिल्डिंग का शेष भाग और रेजीडेंशियल एकॉमोडेशन । राजस्थान में करीब 30 करोड़ रुपए कंस्ट्रक्शन पर खर्च किया जा चुका है और मैं समझता हूं कि इन स्कूलों में जो आवश्यकताएं हैं, 16 नवोदय विद्यालयों में फेज-1 खत्म हो चुका है और फेज-2 प्रारम्भ है । उनके नाम मैं माननीय सदस्य को अलग से दे दूंगा ।

श्री मोहिन्दर सिंह कल्याण : श्रीमान जी, मैं मिनिस्टर साहब से यह पूछना चाहता हूं कि नवोदय विद्यालयों की जो बिल्डिंग हैं, उनको सरकार बनाती है या ग्राम पंचायत बनाती हैं ? अगर सरकार बनाती है तो जो बिल्डिंग बनाई जा रही हैं तो क्या उसमें ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि को या ग्राम पंचायत को सम्पर्क में लिया जाता है या नहीं और दूसरी बात मिनिस्टर साहब से मैं यह पूछना चाहता हूं कि जो बिल्डिंग बनाई गई हैं, उन पर कितना-कितना रुपया खर्च हुआ है और जो खर्च करने वाले आदमी हैं, तो क्या वह एजूकेशन डिपार्टमेंट खर्च करता है या कोई और डवलपमेंट आथोरिटी है जो बिल्डिंग बनाती है ?

श्री अर्जुन सिंह : सभापति महोदय, बिल्डिंग बनाने का काम किसी एजेंसी को दिया जाता है, या तो सामान्यतः सेंट्रल पी०डब्लू०डी० बनाती है या राज्य की कोई कंस्ट्रक्शन एजेंसी होती है, उनको दिया जाता है और उन्हीं के माध्यम से बिल्डिंग बनाई जाती हैं । जब तक बिल्डिंगें नहीं बनती हैं, दो-तीन सालों के लिए कई जगहों पर स्थानीय भवन उपलब्ध कराया जाता है और उस भवन में विद्यालय चलते हैं । जहां तक पंचायत को उसमें शामिल करने का सवाल है, बिल्डिंग के मामले में सवाल इसलिए नहीं उठता, क्योंकि जो एजेंसीज हैं, उनकी अपनी प्रक्रिया है और उसके मुताबिक वह बिल्डिंग बनाती हैं और नवोदय विद्यालय की जो स्थानीय समिति होती है, उसका उस पर पूरी तरह से सुपरविजन रहता है ।

श्री मोहिन्दर सिंह कल्याण : मेरी दरख्वास्त यह है कि

MR. CHAIRMAN : You cannot have

जो मिनिस्टर साहब ने बताया है कि वह गांव की जमीन होती हैं,

श्री लक्खीराम अग्रवाल : सभापति महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि शैक्षणिक सत्र में मध्य प्रदेश में कितने नवोदय विद्यालय प्रारम्भ किए गए हैं और मध्य प्रदेश में कितने नवोदय विद्यालय ऐसे हैं जिनके भवन नहीं बने हैं और उनके भवन बनाने की क्या योजना है ?

श्री अर्जुन सिंह : सभापति महोदय, क्योंकि यह मूल प्रश्न राजस्थान का है, इसलिए मध्य प्रदेश के बारे में पूरी जानकारी तो मैं नहीं दे सकता ।

another question. *(Interruptions)* Will you please sit down?

MR CHAIRMAN : I think it can be given later.

SHRI ARJUN SINGH : Sir, it will be my pleasant duty to give the hon. Member all the information that he wants.

श्री लक्खीराम अग्रवाल : मंत्री महोदय को मध्य प्रदेश के बारे में तो जानकारी होनी चाहिए ।

श्री जितेन्द्रभाई लाभशंकर भट्ट : मैं यह पूछना चाहता हूं कि गुजरात में ध्रांगध्रा में नवोदय विद्यालय की जमीन मिल गई है और वहां मकान के लिए पैसे भी आपने रखे हैं । तो मकान का काम कब शुरू होगा ?

SHRI ARJUN SINGH : The problem is the same. I will inform the hon. Member about this particular school.

MR. CHAIRMAN : Shri Gaya Singh. Have you a question on the subject or on a different matter?

श्री गया सिंह : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने कहा है कि देश में सभी जगह राज्य सरकारें नवोदय विद्यालयों के लिए निशुल्क जगह आबंटित करती हैं । तो राज में कब से यह सिलसिला है, क्योंकि पहले आपकी सरकार थी और बीच में बी०जे०पी० की सरकार बनी और अभी राष्ट्रपति शासन है । तो इस अवधि में आपने कोई कार्रवाई की है या नहीं और यह किस अवधि में आपने उनसे बातचीत की है और लिखा-पढ़ी की है ? मैं यह जानना चाहता हूं कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार के समय में आपने क्या कार्रवाई की और अभी आपने क्या किया ?

श्री अर्जुन सिंह : सभापति महोदय, मैं इस विषय पर राजनीति को शामिल नहीं करना चाहता । जो वास्तविक स्थिति

थी, मैंने उसका विवरण यहां पर दिया है और मुझे आशा है कि जो कठिनाई उत्पन्न हुई थी वह दूर हो जाएगी । मेरा मतलब तो केवल स्कूलों को शुरू करने से है और हम उसी में प्रयासरत है ।

MR. CHAIRMAN: Q. No. 244.

श्री सुशील कुमार संभाजीराव शिन्दे : यह बहुत महत्वपूर्ण था । जो कुर्की हुई है या जो नीलामी हुई है, तो वह कौन सी सरकार ने ऐसा एक्शन लिया है । ऐसा किसकी सरकार में हुआ है । शिक्षा का नीलाम होना, यह बहुत खतरनाक बात है इस देश के लिए । यह बताना चाहिए कि किसके वक्त में ऐसा हुआ है । कांग्रेस का राज था या किसी और का राज था ?

MR CHAIRMAN: That question is over. I have another equally important question here.

श्री शिवचरण सिंह : सर, राजस्थान में अधिकांश नवोदय विद्यालयों के पास बिल्डिंग नहीं हैं । सवाई माधोपुर में जो नवोदय विद्यालय खोलने की घोषणा की है, वह अभी तक नहीं खुला है । मान्यवर, कब से हाथ उठा रहा हूं, मैं राजस्थान का रहने वाला हूं, मुझे नहीं पूछने दिया । आपकी निगाह मेरे ऊपर नहीं टिकी थी । मैं बहुत देर से हाथ उठा रहा था ।

MR CHAIRMAN: Please don't raise the question. You have to raise it at some other time, please.

Dr. Ambedkar Foundation

*244. SHRI V. GOPALSAMY†
SHRI J. S. RAJU :

Will the Minister of WELFARE be pleased to state :

(a) whether the Ambedkar Centenary Celebrations Committee/Ambedkar Foundation has collected all works of Ambedkar; if so, details thereof;

(b) whether there was a proposal to translate the works of Dr. Ambedkar to regional languages and publish them by the Committee/ Government/Foundation;

(c) if so, whether any estimate or project to this effect was prepared by the Government; if so, details thereof;

† The Question was actually asked on the floor of the House by Shri V. Gopalsamy.

(d) whether it is a fact that this 4 crores project was shelved by the Committee/Government; if so, the reasons thereof;

(e) whether it is a fact that the publication will be entrusted to private agencies; if so, reasons thereof;

(1) will it be subsidised or not, if not; reasons thereof; and whether the cost of the books have been worked out or not; if not, why,

(g) whether it is a fact that the Ambedkar Foundation has been recently reconstituted; if so, who are the members; what was the criteria for nomination;

(h) how many Dalit representatives are there in the Foundation presently; and

(I) will Government revamp the activities of Ambedkar Foundation; if not, reasons thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF WELFARE (SHRI K. V. THANGKA BALU): (a) The works of Dr. Ambedkar as compiled and published by the Government of Maharashtra have since been collected. Details are indicated in enclosed Statement I. *(see below)*

(b) Yes, Sir. The first volume in Hindi, Tamil and Gujarati has already been published in April, 1993. The work on other volumes is in progress.

(c) The cost of translation of publication of the works of Dr. Ambedkar has been estimated at Rs. 4.02 crores. The details of the estimate are enclosed as Statement II. *(see below)*

(d) No, Sir.

(e) No, Sir.

(f) It has been decided to sell the books at a reasonable price within the reach of the common people.

(g) Reconstitution of the Foundation is under active consideration.

(h) Two.

(i) The Government has already revamped and expanded the activities of the Foundation. This is a continuing process.

Statement I

Volume 1	:	Castes in India Annihilation of Caste and other writings.
Volume 2	:	Work in Bombay Lagislature, with the Simon Commission and at the Round Table Conferences.